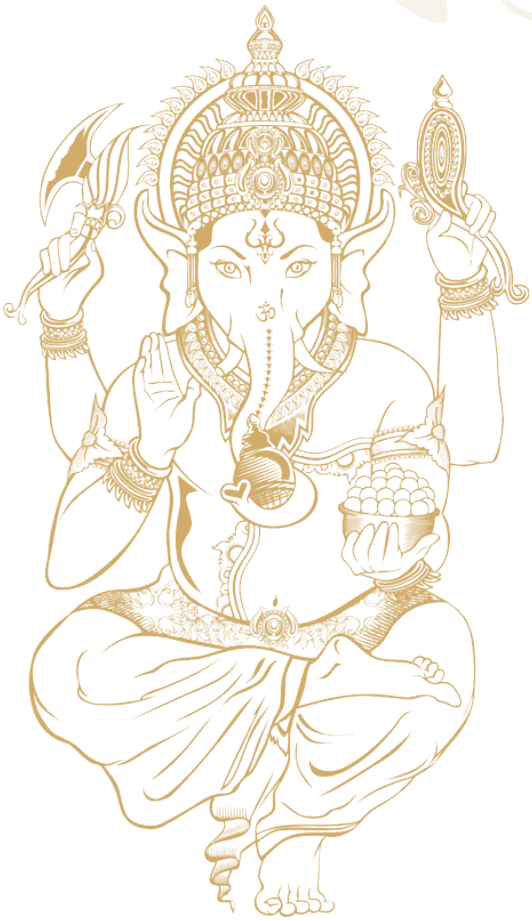

Raja Vikramamaditya Singh

17 Oct 1989

12:15 PM

Simla

Model: Web-VarshKundli

Order No: 121096701

स्त्रीलिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
17/10/1989	जन्म तिथि	**17-18/10/2026**
मंगलवार	दिन	शनि-रविवार
घंटे 12:15:00	जन्म समय	02:01:12 घंटे
घटी 14:33:57	जन्म समय(घटी)	48:59:24 घटी
India	देश	India
Simla	स्थान	Simla
उत्तर 31:06:00	अक्षांश	31:06:00 उत्तर
पूर्व 77:10:00	रेखांश	77:10:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:20	स्थानिक संस्कार	-00:21:20 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:25:25	सूर्योदय	06:25:26
17:48:49	सूर्यास्त	17:47:41
23:43:01	चित्रपक्षीय अयनांश	24:14:01
धनु	लग्न	सिंह
गुरु	लग्न लग्नाधिपति	सूर्य
वृष	राशि	धनु
शुक्र	राशि-स्वामी	गुरु
कृतिका	नक्षत्र	पूर्वाषाढ़ा
सूर्य	नक्षत्र स्वामी	शुक्र
3	चरण	3
व्यतिपात	योग	सुकर्मा
विष्टि	करण	वणिज
उ-उदय	जन्म नामाक्षर	फा-फाल्गुनी
तुला	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला
वैश्य	वर्ण	क्षत्रिय
चतुष्पाद	वश्य	मानव
मेष	योनि	वानर
राक्षस	गण	मनुष्य
अन्त्य	नाड़ी	मध्य
गरूड़	वर्ग	मूषक
37	गत/तत्कालिक वर्ष	38

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ
पूर्वाषाढ़ा	1	14:44:29	धनु		
चित्रा	3	00:09:36	तुला		
कृतिका	3	04:41:13	वृष		
चित्रा	1	24:21:14	कन्या		अ
हस्त	2	14:21:30	कन्या		
आर्द्रा	4	16:55:54	मिथु		
अनुराधा	4	15:52:06	वृश्चि		
पूर्वाषाढ़ा	1	14:37:31	धनु		
धनिष्ठा	3	00:09:06	कुंभ	व	
मघा	1	00:09:06	सिंह	व	
मूल	3	08:12:12	धनु		

वर्ष - विवरण

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
लग्न			सिंह	02:36:04	1	मघा
सूर्य			तुला	00:15:18	3	चित्रा
चंद्र			धनु	21:20:15	3	पूर्वाषाढ़ा
मंगल			कर्क	16:58:03	1	आश्लेषा
बुध			तुला	24:24:45	2	विशाखा
गुरु			कर्क	28:09:13	4	आश्लेषा
शुक्र	व	अ	तुला	10:11:20	2	स्वाति
शनि	व		मीन	16:02:09	4	उ०भाद्रपद
राहु	व		कुंभ	03:48:23	4	धनिष्ठा
केतु	व		सिंह	03:48:23	2	मघा
मु			मक	14:44:29	2	श्रवण

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:14:01

लग्न-चलित

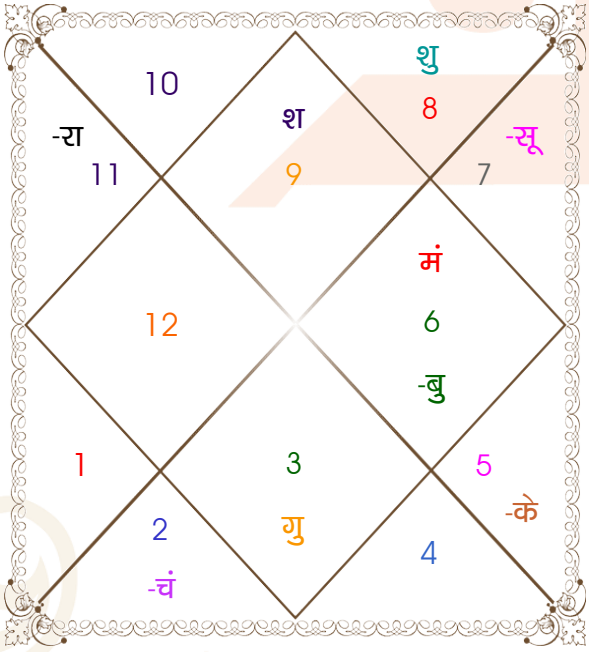

वर्ष लग्न कुंडली

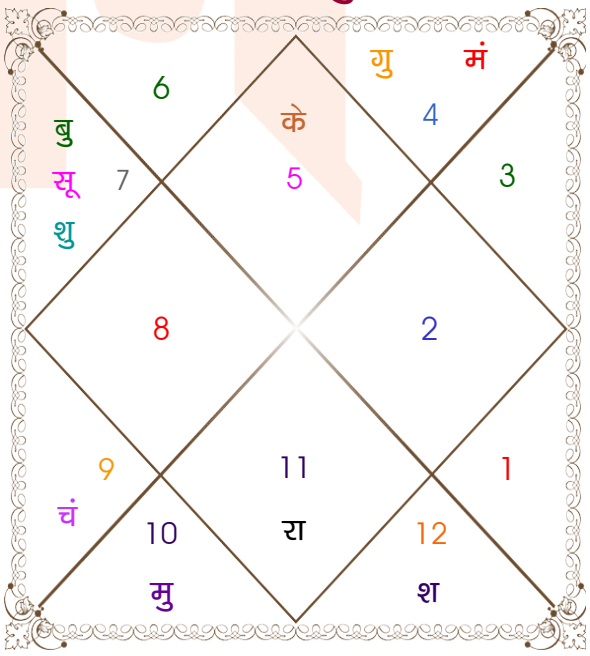

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

चन्द्र कुंडली

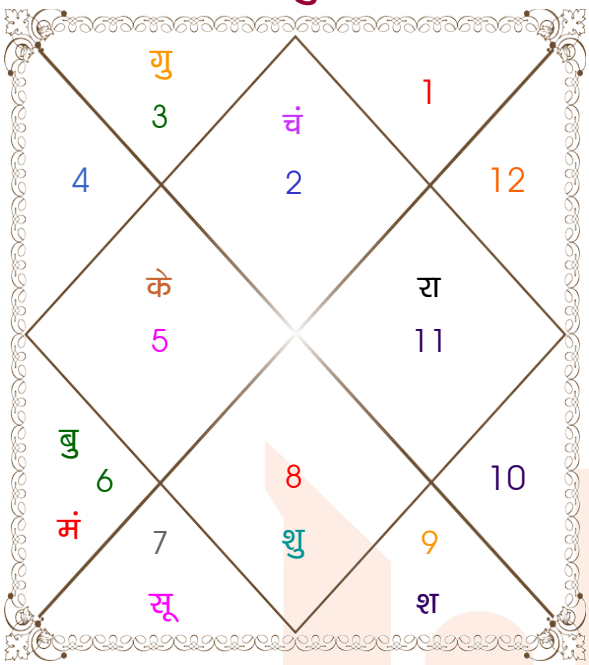

वर्ष चन्द्र कुंडली

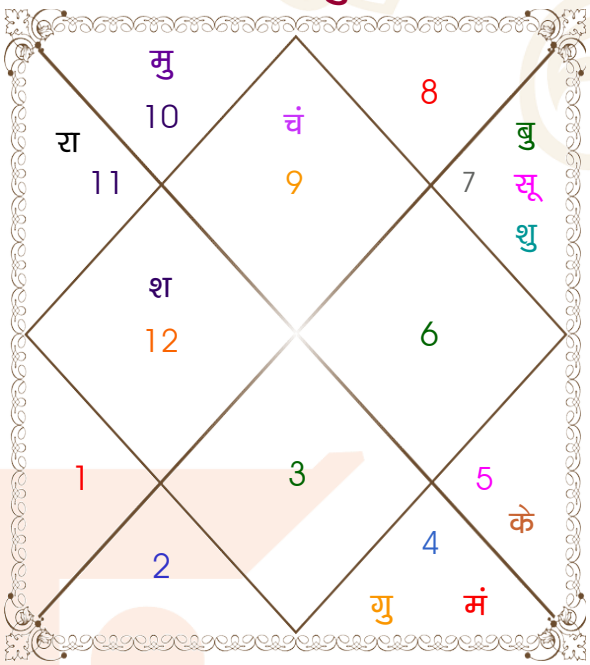

नवमांश कुंडली

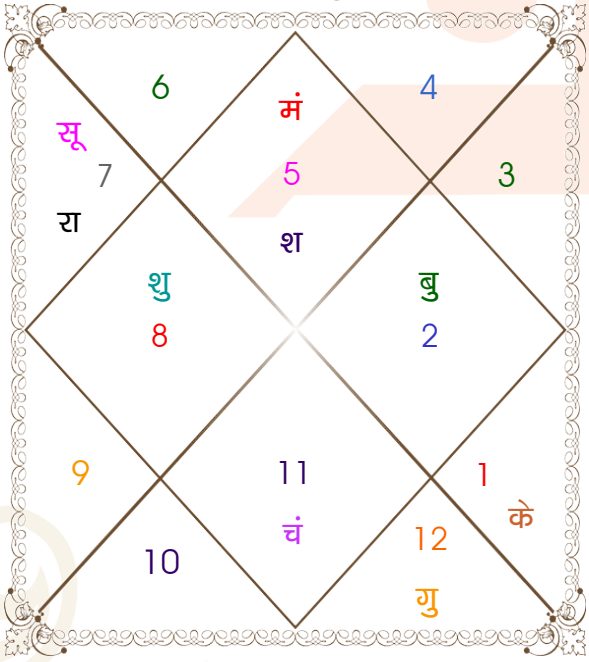

वर्ष नवमांश कुंडली

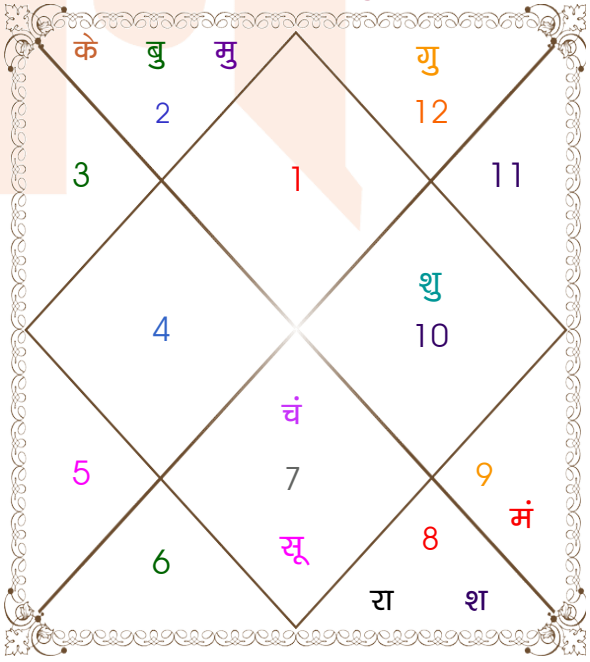

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

मैत्री सारिणी

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	---	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम
चन्द्र	मित्र	---	सम	मित्र	सम	मित्र	शत्रु
मंगल	शत्रु	सम	---	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र
बुध	शत्रु	मित्र	शत्रु	---	शत्रु	शत्रु	सम
गुरु	शत्रु	सम	शत्रु	शत्रु	---	शत्रु	मित्र
शुक्र	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	---	सम
शनि	सम	शत्रु	मित्र	सम	मित्र	सम	---

द्वादशवर्ग सारिणी

	लग्न	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	सिंह	तुला	धनु	कर्क	तुला	कर्क	तुला	मीन
होरा	सिंह	सिंह	कर्क	सिंह	कर्क	सिंह	सिंह	सिंह
द्रेष्काण	कुंभ	कर्क	कुंभ	कन्या	धनु	कर्क	कुंभ	मीन
चतुर्थांश	सिंह	तुला	मिथु	मक	कर्क	मेष	मक	कन्या
पंचमांश	मेष	मेष	मिथु	मीन	तुला	वृश्चि	कुंभ	मीन
षष्ठांश	मेष	मेष	सिंह	मक	सिंह	मीन	मिथु	मक
सप्तमांश	सिंह	तुला	मेष	मेष	मीन	कर्क	धनु	धनु
अष्टमांश	सिंह	मेष	तुला	सिंह	तुला	वृश्चि	मिथु	कन्या
नवमांश	मेष	तुला	तुला	धनु	वृष	मीन	मक	वृश्चि
दशमांश	सिंह	तुला	कर्क	सिंह	मिथु	धनु	मक	मेष
एकादशांश	कर्क	कन्या	मिथु	धनु	वृष	मेष	धनु	कर्क
द्वादशांश	कन्या	तुला	सिंह	मक	कर्क	मिथु	कुंभ	कन्या

द्वादशवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	शत्रु	सम	सम	शत्रु	सम	स्व	मित्र
होरा	स्व	स्व	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	सम
द्रेष्काण	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम	सम	मित्र
चतुर्थांश	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	सम	सम
पंचमांश	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम	मित्र
षष्ठांश	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु	स्व	शत्रु	स्व
सप्तमांश	शत्रु	सम	स्व	शत्रु	सम	शत्रु	मित्र
अष्टमांश	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम
नवमांश	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	स्व	सम	मित्र
दशमांश	शत्रु	स्व	शत्रु	स्व	स्व	सम	मित्र
एकादशांश	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु
द्वादशांश	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	सम	सम
शुभ	2	9	4	4	3	1	7
सम	0	2	1	0	3	6	4
अशुभ	10	1	7	8	6	5	1
कुल	अशुभ	शुभ	अशुभ	अशुभ	अशुभ	अशुभ	शुभ

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

हर्ष बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
प्रथम बल	0	0	0	0	0	0	0
द्वितीय बल	0	0	0	0	5	5	0
तृतीय बल	0	0	5	5	5	5	5
चतुर्थ बल	0	5	0	5	0	5	5
कुल	0	5	5	10	10	15	10
बल	अतिक्षीण	क्षीण	क्षीण	सामान्य	सामान्य	बली	सामान्य

पंचवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
क्षेत्रीय बल	7.50	15.00	15.00	7.50	15.00	30.00	22.50
उच्च बल	1.08	5.37	1.23	15.62	17.43	1.47	3.77
हददा बल	7.50	7.50	3.75	3.75	11.25	3.75	7.50
द्रेष्काण	7.50	2.50	2.50	2.50	5.00	5.00	7.50
नवमांश	1.25	3.75	1.25	1.25	5.00	2.50	3.75
कुल	24.83	34.12	23.73	30.62	53.68	42.72	45.02
विंशोपक	6.21	8.53	5.93	7.66	13.42	10.68	11.26
बल	सामान्य	सामान्य	सामान्य	सामान्य	शुभ	शुभ	शुभ

वर्षेश निर्णय

स्वामित्व	ग्रह	बल	लग्न पर दृष्टि	वर्षेश
जन्म लग्नाधिपति	गुरु	13.42	दृष्टि नहीं	
वर्ष लग्नाधिपति	सूर्य	6.21	शुभ	
मुन्था लग्नाधिपति	शनि	11.26	दृष्टि नहीं	सूर्य
दिवापति	गुरु	13.42	दृष्टि नहीं	
त्रिराशिपति	सूर्य	6.21	शुभ	

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

पात्यंश दशा

सूर्य		लग्न		शुक्र		शनि		मंगल	
18/10/2026		21/10/2026		20/11/2026		27/02/2027		14/05/2027	
21/10/2026		20/11/2026		27/02/2027		14/05/2027		26/05/2027	
	18/10/2026	लग्न	23/10/2026	शुक्र	17/12/2026	शनि	15/03/2027	मंगल	14/05/2027
	18/10/2026	शुक्र	01/11/2026	शनि	06/01/2027	मंगल	17/03/2027	चंद्र	16/05/2027
शुक्र	19/10/2026	शनि	07/11/2026	मंगल	10/01/2027	चंद्र	29/03/2027	बुध	17/05/2027
शनि	19/10/2026	मंगल	08/11/2026	चंद्र	25/01/2027	बुध	06/04/2027	गुरु	19/05/2027
मंगल	20/10/2026	चंद्र	13/11/2026	बुध	05/02/2027	गुरु	16/04/2027	सूर्य	19/05/2027
चंद्र	20/10/2026	बुध	16/11/2026	गुरु	18/02/2027	सूर्य	17/04/2027	लग्न	20/05/2027
बुध	20/10/2026	गुरु	20/11/2026	सूर्य	19/02/2027	लग्न	23/04/2027	शुक्र	23/05/2027
गुरु	21/10/2026	सूर्य	20/11/2026	लग्न	27/02/2027	शुक्र	14/05/2027	शनि	26/05/2027

चंद्र		बुध		गुरु		गुरु		गुरु	
26/05/2027		21/07/2027		30/08/2027		30/08/2027		30/08/2027	
21/07/2027		30/08/2027		18/10/2027		18/10/2027		18/10/2027	
चंद्र	04/06/2027	बुध	26/07/2027	गुरु	06/09/2027	गुरु	06/09/2027	गुरु	06/09/2027
बुध	10/06/2027	गुरु	31/07/2027	सूर्य	06/09/2027	सूर्य	06/09/2027	सूर्य	06/09/2027
गुरु	17/06/2027	सूर्य	31/07/2027	लग्न	10/09/2027	लग्न	10/09/2027	लग्न	10/09/2027
सूर्य	18/06/2027	लग्न	04/08/2027	शुक्र	23/09/2027	शुक्र	23/09/2027	शुक्र	23/09/2027
लग्न	22/06/2027	शुक्र	15/08/2027	शनि	03/10/2027	शनि	03/10/2027	शनि	03/10/2027
शुक्र	08/07/2027	शनि	23/08/2027	मंगल	05/10/2027	मंगल	05/10/2027	मंगल	05/10/2027
शनि	20/07/2027	मंगल	24/08/2027	चंद्र	13/10/2027	चंद्र	13/10/2027	चंद्र	13/10/2027
मंगल	21/07/2027	चंद्र	30/08/2027	बुध	18/10/2027	बुध	18/10/2027	बुध	18/10/2027

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
पात्यंश दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

मुद्दा दशा

चंद्र		मंगल		राहु		गुरु		शनि	
18/10/2026		17/11/2026		08/12/2026		01/02/2027		22/03/2027	
17/11/2026		08/12/2026		01/02/2027		22/03/2027		19/05/2027	
चंद्र	20/10/2026	मंगल	18/11/2026	राहु	17/12/2026	गुरु	08/02/2027	शनि	31/03/2027
मंगल	22/10/2026	राहु	21/11/2026	गुरु	24/12/2026	शनि	15/02/2027	बुध	08/04/2027
राहु	26/10/2026	गुरु	24/11/2026	शनि	02/01/2027	बुध	22/02/2027	केतु	12/04/2027
गुरु	31/10/2026	शनि	28/11/2026	बुध	09/01/2027	केतु	25/02/2027	शुक्र	21/04/2027
शनि	04/11/2026	बुध	01/12/2026	केतु	12/01/2027	शुक्र	05/03/2027	सूर्य	24/04/2027
बुध	09/11/2026	केतु	02/12/2026	शुक्र	22/01/2027	सूर्य	08/03/2027	चंद्र	29/04/2027
केतु	10/11/2026	शुक्र	05/12/2026	सूर्य	24/01/2027	चंद्र	12/03/2027	मंगल	02/05/2027
शुक्र	15/11/2026	सूर्य	07/12/2026	चंद्र	29/01/2027	मंगल	15/03/2027	राहु	11/05/2027
सूर्य	17/11/2026	चंद्र	08/12/2026	मंगल	01/02/2027	राहु	22/03/2027	गुरु	19/05/2027

बुध		केतु		शुक्र		सूर्य		सूर्य	
19/05/2027		09/07/2027		31/07/2027		30/09/2027		30/09/2027	
09/07/2027		31/07/2027		30/09/2027		18/10/2027		18/10/2027	
बुध	26/05/2027	केतु	11/07/2027	शुक्र	10/08/2027	सूर्य	30/09/2027	सूर्य	30/09/2027
केतु	29/05/2027	शुक्र	14/07/2027	सूर्य	13/08/2027	चंद्र	02/10/2027	चंद्र	02/10/2027
शुक्र	07/06/2027	सूर्य	15/07/2027	चंद्र	18/08/2027	मंगल	03/10/2027	मंगल	03/10/2027
सूर्य	09/06/2027	चंद्र	17/07/2027	मंगल	22/08/2027	राहु	06/10/2027	राहु	06/10/2027
चंद्र	14/06/2027	मंगल	18/07/2027	राहु	31/08/2027	गुरु	08/10/2027	गुरु	08/10/2027
मंगल	17/06/2027	राहु	21/07/2027	गुरु	08/09/2027	शनि	11/10/2027	शनि	11/10/2027
राहु	24/06/2027	गुरु	24/07/2027	शनि	17/09/2027	बुध	14/10/2027	बुध	14/10/2027
गुरु	01/07/2027	शनि	28/07/2027	बुध	26/09/2027	केतु	15/10/2027	केतु	15/10/2027
शनि	09/07/2027	बुध	31/07/2027	केतु	30/09/2027	शुक्र	18/10/2027	शुक्र	18/10/2027

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
मुद्दा दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

राहु - चंद्र - सूर्य	
22/01/2026 14:40	
19/02/2026 00:07	
सूर्य	23/01/2026 23:32
चंद्र	26/01/2026 06:19
मंगल	27/01/2026 20:40
राहु	31/01/2026 23:17
गुरु	04/02/2026 14:57
शनि	08/02/2026 23:03
बुध	12/02/2026 20:11
केतु	14/02/2026 10:32
शुक्र	19/02/2026 00:07

राहु - मंगल - मंगल	
19/02/2026 00:07	
13/03/2026 09:02	
मंगल	20/02/2026 07:26
राहु	23/02/2026 15:58
गुरु	26/02/2026 15:34
शनि	02/03/2026 04:34
बुध	05/03/2026 08:38
केतु	06/03/2026 15:57
शुक्र	10/03/2026 09:26
सूर्य	11/03/2026 12:17
चंद्र	13/03/2026 09:02

राहु - मंगल - राहु	
13/03/2026 09:02	
09/05/2026 21:40	
राहु	22/03/2026 00:08
गुरु	29/03/2026 16:13
शनि	07/04/2026 18:49
बुध	15/04/2026 22:24
केतु	19/04/2026 06:57
शुक्र	28/04/2026 21:03
सूर्य	01/05/2026 18:05
चंद्र	06/05/2026 13:08
मंगल	09/05/2026 21:40

राहु - मंगल - गुरु	
09/05/2026 21:40	
30/06/2026 00:55	
गुरु	16/05/2026 17:18
शनि	24/05/2026 19:37
बुध	01/06/2026 01:29
केतु	04/06/2026 01:04
शुक्र	12/06/2026 13:36
सूर्य	15/06/2026 02:58
चंद्र	19/06/2026 09:14
मंगल	22/06/2026 08:50
राहु	30/06/2026 00:55

राहु - मंगल - शनि	
30/06/2026 00:55	
29/08/2026 18:16	
शनि	09/07/2026 15:40
बुध	18/07/2026 06:07
केतु	21/07/2026 19:08
शुक्र	31/07/2026 22:01
सूर्य	03/08/2026 22:53
चंद्र	09/08/2026 00:20
मंगल	12/08/2026 13:21
राहु	21/08/2026 15:57
गुरु	29/08/2026 18:16

राहु - मंगल - बुध	
29/08/2026 18:16	
23/10/2026 02:12	
बुध	06/09/2026 10:59
केतु	09/09/2026 15:03
शुक्र	18/09/2026 16:22
सूर्य	21/09/2026 09:34
चंद्र	25/09/2026 22:14
मंगल	29/09/2026 02:18
राहु	07/10/2026 05:53
गुरु	14/10/2026 11:45
शनि	23/10/2026 02:12

राहु - मंगल - केतु	
23/10/2026 02:12	
14/11/2026 11:07	
केतु	24/10/2026 09:31
शुक्र	28/10/2026 03:01
सूर्य	29/10/2026 05:51
चंद्र	31/10/2026 02:36
मंगल	01/11/2026 09:55
राहु	04/11/2026 18:27
गुरु	07/11/2026 18:03
शनि	11/11/2026 07:04
बुध	14/11/2026 11:07

राहु - मंगल - शुक्र	
14/11/2026 11:07	
17/01/2027 09:10	
शुक्र	25/11/2026 02:48
सूर्य	28/11/2026 07:30
चंद्र	03/12/2026 15:20
मंगल	07/12/2026 08:49
राहु	16/12/2026 22:56
गुरु	25/12/2026 11:28
शनि	04/01/2027 14:22
बुध	13/01/2027 15:41
केतु	17/01/2027 09:10

राहु - मंगल - सूर्य	
17/01/2027 09:10	
05/02/2027 13:23	
सूर्य	18/01/2027 08:11
चंद्र	19/01/2027 22:32
मंगल	21/01/2027 01:23
राहु	23/01/2027 22:25
गुरु	26/01/2027 11:46
शनि	29/01/2027 12:38
बुध	01/02/2027 05:50
केतु	02/02/2027 08:41
शुक्र	05/02/2027 13:23

राहु - मंगल - चंद्र	
05/02/2027 13:23	
09/03/2027 12:25	
चंद्र	08/02/2027 05:18
मंगल	10/02/2027 02:03
राहु	14/02/2027 21:06
गुरु	19/02/2027 03:22
शनि	24/02/2027 04:49
बुध	28/02/2027 17:29
केतु	02/03/2027 14:13
शुक्र	07/03/2027 22:04
सूर्य	09/03/2027 12:25

गुरु - गुरु - गुरु	
09/03/2027 12:25	
21/06/2027 09:51	
गुरु	23/03/2027 08:52
शनि	08/04/2027 19:40
बुध	23/04/2027 12:54
केतु	29/04/2027 14:21
शुक्र	16/05/2027 21:56
सूर्य	22/05/2027 02:36
चंद्र	30/05/2027 18:23
मंगल	05/06/2027 19:50
राहु	21/06/2027 09:51

गुरु - गुरु - शनि	
21/06/2027 09:51	
22/10/2027 18:49	
शनि	10/07/2027 22:40
बुध	28/07/2027 10:08
केतु	04/08/2027 14:52
शुक्र	25/08/2027 04:21
सूर्य	31/08/2027 08:24
चंद्र	10/09/2027 15:09
मंगल	17/09/2027 19:52
राहु	06/10/2027 08:01
गुरु	22/10/2027 18:49

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा यदा कदा आपको शारीरिक कष्ट की अनुभूति होगी। साथ ही मानसिक उद्विग्नता तथा चंचलता का भाव भी विद्य मान रहेगा। पारिवारिक सुख शान्ति तथा सन्तुष्टि इस समय मध्यम रहेगी तथा यदा कदा परस्पर कलह एवं विवाद भी उत्पन्न होंगे। साथ ही आपका सम्मान भी मध्यम रहेगा। मित्र एवं संबन्धियों से भी कोई मतभेद या तनाव हो सकता है। संतति पक्ष से इस समय आपको अल्प मात्रा में ही सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष भी इस समय आपके लिए अनावश्यक समस्याएं या व्यवधान भी उत्पन्न कर सकता है। आपका दाम्पत्य जीवन इस समय मध्यम रहेगा तथा स्त्री से कोई मतभेद या तनाव का वातावरण रहेगा।

व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष विशेष शुभ नहीं रहेगा व्यापार में इस समय आपके उन्नति तथा सफलता के मार्ग में व्यवधान आएंगे साथ ही लाभ मार्ग भी अवरूद्ध होंगे। नौकरी या राजनीति में आपकी पदोन्नति में भी विलम्ब होगा तथा अनावश्यक व्यवधान भी उत्पन्न होंगे। इस समय आपका विरोधी पक्ष भी प्रबल रहेगा परन्तु आर्थिक स्थिति भी सन्तोष प्रद रहेगी तथा आवश्यक मात्रा में धन एवं लाभ प्राप्त होता रहेगा। साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आपके संबंध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे। अतः ऐसे समय में आपको इनकी आज्ञा का पालन करना चाहिए जिससे कोई समस्या उत्पन्न न हो सके। इस प्रकार यह वर्ष आपके लिए मध्यम रहेगा अतः धैर्य एवं बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करना चाहिए ।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक परेशानी तथा कष्ट की अनुभूति करेंगी। इससे शरीर में दुर्बलता रहेगी तथा स्वभाव में चिड़चिड़ापन रहेगा। साथ ही सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्पूर्ण कार्यो को सिद्ध करने में आपको अत्यंत ही पराक्रम तथा परिश्रम करना पड़ेगा फिर भी इसमें सफलता आपको आंशिक ही प्राप्त होगी। इस समय आपके स्वयं द्वारा किए गए कार्यो से भी अप्रसन्नता होगी तथा मानसिक असन्तुष्टि तथा परेशानी भी रहेगी।साथ ही मित्रों एवं संबधियों से भी आपके संबध विशेष मधुर नहीं रहेंगे फलतः उनसे आपको लाभ एवं सहयोग अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगा।

इस वर्ष में शत्रुवर्ग से आप अत्यंत ही कष्ट एवं परेशानी की अनुभूति करेंगी तथा वे आपके लिए समय समय पर अनावश्यक कष्ट एवं परेशानी उत्पन्न करेंगे। इस समय आपके घर में चोरी आदि की भी संभावना रहेगी अतः ऐसे समय में आपको पूर्ण सतर्क तथा सावधान रहना चाहिए।इस वर्ष में सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग आपसे विशेष प्रसन्न नहीं रहेंगे तथा आप अल्प मात्रा में ही इच्छित लाभ एवं सहयोग अर्जित करेंगे। इस समय आपका व्यय भी अधिक मात्रा में होगा तथा धनहानि की भी संभावना रहेगी।साथ ही कार्य क्षेत्र में भी स्थिति अच्छी नहीं रहेगी तथा रूके हुए कार्य भी सिद्ध नहीं होंगे।इसके अतिरिक्त इस समय आपके मन में भ्रान्तियां भी उत्पन्न होंगी फलतः एक दूसरे से विवाद या झगड़े की भी संभावनाएं भी बनेंगी। अतः ऐसे समय को संयम एवं धैर्यपूर्वक व्यतीत करें इससे अशुभ फलों में न्यूनता रहेगी।

मासिक फलादेश

प्रथम मास
18/10/2026 02:01:12 से 17/11/2026 12:32:15 तक

यह मास आपका शुभाशुभ फलों से युक्त होकर व्यतीत होगा। इस समय आप शारीरिक रूप से अस्वस्थता की अनुभूति करेंगी साथ ही शत्रु भी उत्पन्न होंगे जिससे मानसिक परेशानी तथा भय उत्पन्न होगा। अपने उच्चाधिकारी वर्ग की आप इस मास में उपेक्षा न करें अन्यथा आप दंडित भी हो सकती हैं। साथ ही चोरों से भी सावधान रहें। इस समय आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प मात्रा में ही सफल होंगे तथा धन भी अनावश्यक रूप से अधिक मात्रा में व्यय होगा। इस समय आप कोई कठोर कार्य करने की दिशा मेंभी तत्पर हो सकती हैं। ऐसे कार्यों से आपको बाद में पश्चाताप करना पड़ेगा। मित्रों तथा सम्बन्धियों से भी अनावश्यक तनाव उत्पन्न हो सकता है। इसके अतिरिक्त आशाओं में भी सामान्यतया असफलता ही मिलेगी।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ आप शुभ फल भी प्राप्त करेंगी। जिससे आपको पति से सुख,बुद्धि में निर्मलता की वृद्धि तथा अन्य प्रकार से सुख प्राप्त होंगे। साथ ही धार्मिक कृत्यों को करने के लिए भी तत्पर रहेंगी।

द्वितीय मास
17/11/2026 12:32:15 से 17/12/2026 23:03:18 तक

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला होगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से भी प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी। आपके पराक्रम में इस समय वृद्धि होगी तथा शत्रुपक्ष निर्बल होगा एवं लाभमार्ग भी प्रशस्त होंगे। साथ ही नौकरी या व्यापार के अतिरिक्त आप अन्य स्त्रोतों से भी लाभार्जन करेंगी जिससे आर्थिक दृष्टि से सम्पन्न तथा सुदृढ़ रहेंगी। सामाजिक जनों,बन्धु एवं मित्रों के मध्य आपकी मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा आपसी सम्बन्धों में भी प्रगाढ़ता रहेगी। इस मास में आपका भाग्य भी प्रबल रहेगा तथा जिन शुभ कार्यों की सिद्धि करने में विलम्ब हो रहा हो वे इसी मास में पूर्ण होंगे। साथ ही अन्य कार्यों में भी आप सफलता अर्जित कने में सफल रहेंगी। इसके अतिरिक्त उच्चाधिकारी वर्ग से आप अनुकूल सहयोग प्राप्त तथा वे आपसे प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप पति से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगी तथा पुरुष वर्ग से भी आपको सकारात्मक सहयोग प्राप्त होगा। इस समय आपकी बुद्धि भी निर्मल होगी तथा प्रचुर मात्रा में धनार्जन भी करेंगी जिससे आप सुखानुभूति प्राप्त करेंगी। इसके अतिरिक्त आप धर्मानुपालन में भी तत्पर रहेंगी एवं समाज तथा बन्धु वर्ग से प्रतिष्ठा अर्जित करेंगी।

तृतीय मास
17/12/2026 23:03:18 से 17/01/2027 09:34:21 तक

इस मास में आप अशुभ फलों को ही अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगी। इससे आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा विभिन्न प्रकार से आप शारीरिक कष्टानभूति प्राप्त करेंगी जिससे शरीर में दुर्बलता स्पष्ट रूप से दृष्टिगोचर होगी। इस समय आपके कई शत्रु उत्पन्न होंगे तथा आप इनसे चिन्तित तथा भयभीत रहेंगी साथ ही आपके घर में चोरी भी हो सकती है। अतः चोरों से सावधान रहना चाहिए। नौकरी या व्यवसाय में आप सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग की उपेक्षा न करें अन्यथा आप किसी भी प्रकार से दंडित हो सकती हैं। इस मास आपके शुभ कार्य अल्प मात्रा में ही पूर्ण होंगे तथा अनावश्यक रूप से धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा। इसके अतिरिक्त आपकी बुद्धि कठोर कार्यों की ओर भी प्रवृत होगी जिससे आपको बाद में पश्चाताप करना पड़ेगा। आपके मित्रों तथा सम्बन्धियों से संबधों में तनाव उत्पन्न होगा जिससे आपस में अनबन रहेगी तथा आपकी आशाएं भी अल्प मात्रा में ही फलीभूत होंगी।

साथ ही इस मास में गर्मी या पित्तादि दोष से उत्पन्न रोगों से कष्टानुभूति होगी एवं किसी प्रकार से रक्त विकार आदि की भी सम्भावना हो सकती है। अतः दुर्घटना आदि से भी सावधान रहने की आवश्यकता है। इस प्रकार आपको लिए यह मास समान्यतया अशुभ फलदायक ही रहेगा।ह

चतुर्थ मास
17/01/2027 09:34:21 से 16/02/2027 20:05:24 तक

इस मास में आप शुभाशुभ फलों की प्राप्ति करेंगी एवं सामान्य रूप से ही यह समय आपका व्यतीत होगा। इस समय आपका धन व्यय अधिक मात्रा में होगा तथा आपको दुर्जन लोगों की संगति भी मिलेगी जिससे आपके सम्मान में न्यूनता आएगी। आपका स्वास्थ्य भी इस मास में अच्छा नहीं रहेगा तथा शरीर में दुर्बलता विद्यमान रहेगी। अत्यंत परिश्रम करने के बाद भी आपके शुभ कार्य अल्प मात्रा में ही सफल होंगे फलतः आप मानसिक रूप से कष्ट प्राप्त करेंगी। धर्म के प्रति भी इस समय आप विशेष श्रद्धा नहीं रखेंगी। साथ ही मित्रों एवं सम्बन्धियों से अनबन रहेगी तथा सम्बन्ध भी मधुर नहीं रहेंगे। आपके कार्यक्षेत्र में भी इस समय विध्न बाधाएं उपस्थित होती रहेंगी तथा शत्रु पक्ष भी प्रबल रहेगा। जिससे आपके मन में भय तथा चिन्ता का वातावरण बना रहेगा। इसके अतिरिक्त मानसिक रूप से भी आप अशान्त रहेंगी।

परन्तु इस समय अशुभ फलों के साथ साथ आपको शुभ फल भी अवश्य प्राप्त होंगे। अतः आप पति से पूर्ण सुख तथा सहयोग अर्जित करेंगी तथा बुद्धि में भी निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी तथा धर्मानुपालन में भी अपनी रूचि का प्रर्दशन करेंगी। साथ ही अन्य प्रकार से भी आप सुखार्जन करने में सफल रहेंगी। अतः यह मास आपका मध्यम रूप से व्यतीत होगा।

पंचम् मास
16/02/2027 20:05:24 से 19/03/2027 06:36:27 तक

इस मास में आप सामान्यतया अशुभ फल ही अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगी। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा फलतः आप शारीरिक रूप से दुर्बल रहेंगी साथ ही आपके शत्रु भी आपसे अधिक बलवान होंगे अतः उनकी ओर से भी आप भयभीत एवं चिन्तित रहेगी जिससे आप मानसिक रूप से बैचेन रहेंगी। इस समय आपके घर में कोई चोरी भी हो सकती है अतः इससे भी सावधान रहें। इस मास आपको अपने उच्चाधिकारी वर्ग की आज्ञा का पालन करना चाहिए तथा किसी भी प्रकार से उनकी उपेक्षा नहीं करनी चाहिए अन्यथा आपको वे दण्डित भी कर सकते है। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस समय अल्प मात्रा में ही सिद्ध होंगे। साथ ही अनावश्यक एवं अधिक मात्रा में धन का व्यय होगा जिससे आपकी आर्थिक स्थिति कमजोर होगी। इस मास में आपका अपने संबधियों एवं मित्रों से तनाव रहेगा तथा समाज से आप अपने को उपेक्षित महसूस करेंगी। इसके अतिरिक्त आपकी आशाएं भी इस समय अल्प मात्रा में ही पूर्ण हो सकेंगी।

साथ ही इस मास में आप वायु रोगों से पीड़ित रहेंगी तथा किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगी जिससे आपकी प्रतिष्ठा प्रभावित होगी एवं बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। इस समय अग्नि से भी आप धन हानि प्राप्त कर सकती है अतः सावधानी पूर्वक समय को व्यतीत करें।

षष्ठ मास
19/03/2027 06:36:27 से 18/04/2027 17:07:30 तक

इस मास में आप शुभ फल प्राप्त करने में सफल रहेंगी।साथ ही पुरूष वर्ग से लाभार्जन तथा सहयोग अर्जित करने में भाग्यशाली रहेंगी। इस समय आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सिद्ध होंगे तथा आपकी आर्थिक स्थिति में भी सुदृढ़ता आएगी फलतः मानसिक रूप से भी आप प्रसन्नता तथा शान्ति की अनुभूति करेंगी। साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से समय समय पर आपको यथोचित लाभ होता रहेगा। इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा ज्ञानार्जन में भी आपकी रूचि उत्पन्न होगी। मित्र एवं बन्धु जनों से आपके मधुर संबध रहेंगे एवं उनसे पूर्ण सहयोग तथा लाभ भी होता रहेगा। आपको इच्छित द्रव्यों की प्राप्ति भी इस समय होगी तथा प्रसन्नता पूर्वक आप इनका उपभोग करेंगी। संतति पक्ष से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगी। इसके अतिरिक्त सामाजिक जनों के मध्य आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा आपके रूके हुए कार्य भी इस मास में पूर्ण होंगे।

साथ ही इस मास में आप पति से पूर्ण सहयोग प्राप्त करेंगी। आपकी बुद्धि में भी इस समय निर्मलता का भाव रहेगा तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं सुख का आप प्रसन्नता पूर्वक उपभोग करेंगी। इसके अतिरिक्त धर्मानुपालन में भी आप प्रवृत रहेगी तथा समाज में उचित सम्मान प्राप्त करने में सफल रहेंगी।

सप्तम् मास
18/04/2027 17:07:30 से 19/05/2027 03:38:33 तक

यह मास आपके लिए मध्यम रहेगा। अतः शुभ फलों के साथ साथ अशुभ फल भी घटित होते रहेंगे। इस समय आपकी बुद्धि निर्मल रहेगी तथा अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को आप बुद्धिमता से सम्पन्न करने में सफल रहेंगी।साथ ही पुत्र से आप सुख प्राप्त करेंगी एवं अन्य प्रकार से द्रव्य लाभ भी होगा। समाज में भी आपकी प्रभुता में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपकी प्रभुता को स्वीकार करेंगे एवं आपको हार्दिक मान सम्मान प्रदान करेंगे। इस मास आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य पूर्ण होंगे तथा किसी शुभ समाचार की प्राप्ति भी होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा का भाव रहेगा एवं निष्ठा पूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगी। इसके अतिरिक्त सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप आश्रय एवं सहयोग प्राप्त करेंगी फलतः समाज में आपकी मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त मानसिक चिन्ताओं से भी आप मुक्त रहेंगी तथा प्रसन्नता पूर्वक अपना समय व्यतीत करेंगी।

साथ ही इस मास में शुभ फलों के साथ अशुभ फल भी प्राप्त होंगे।अतः आप वातजन्य रोगों या ठंड से शारीरिक रूप से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगी तथा किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगी जिससे आपकी समाजिक प्रतिष्ठा में न्यूनता आएगी तथा बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। इसके साथ ही आग के द्वारा किसी प्रकार से धन हानि हो सकती है। अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

अष्टम् मास
19/05/2027 03:38:33 से 18/06/2027 14:09:36 तक

यह मास आपके लिए अत्यन्त ही शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा। इस समय सौभाग्य से आप युक्त रहेंगी तथा पति से पूर्ण सुख तथा सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगी। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप इच्छित लाभ तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगी। जिससे आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सिद्ध होंगे। इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से आप सन्तुष्ट तथा शान्त रहेंगी। अध्ययन या ज्ञानार्जन के प्रति भी आप अपनी रूचि का प्रदर्शन करेंगी। बन्धुवर्ग एवं मित्रों से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे आपको उचित मान सम्मान प्राप्त होगा। साथ ही वे आपको अपना पूर्ण सहयोग भी प्रदान करेंगे। इस समय आप वांछित द्रव्यों को प्राप्त करेंगी एवं उनके उपभोग से सुखानुभूति प्राप्त करेंगी। संतति पक्ष से भी आप निश्चिन्त रहेंगी तथा आपकी मनोकामनाएं भी इस समय पूर्ण होंगी।

साथ ही इस मास में आप पति का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगी तथा उनसे आपको अपेक्षित सहयोग भी प्राप्त होता रहेगा। आपकी बुद्धि इस समय निर्मल रहेगी तथा वांछित धन लाभ तथा सुख अर्जित करने में आप सफल रहेंगी। इसके अतिरिक्त इस मास में आपको समाज से पूर्ण सम्मान तथा यश प्राप्त होगा एवं धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी।

नवम् मास
18/06/2027 14:09:36 से 19/07/2027 00:40:39 तक

इस मास में आप अशुभ फल शुभ फलों की अपेक्षा अधिक अर्जित करेंगी जिससे आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा दुर्बलता भी विद्यमान रहेगी। इस समय शत्रुपक्ष से आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगी एवं उनसे आप अनावश्यक कष्ट भी प्राप्त करेंगी। इस मास में आपके घर में चोरी भी हो सकती है। अतः सतर्क रहना श्रेयस्कर रहेगा। इस समय आपको उच्चाधिकारी वर्ग की आज्ञा का पूर्ण पालन करना चाहिए तथा किसी भी प्रकार से उपेक्षा नहीं करनी चाहिए अन्यथा आप दण्डित हो सकती हैं। इस मास में आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प मात्रा में ही सफल हो सकेंगे। साथ ही धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा। जिससे आप आर्थिक रूप से परेशान रहेंगी। इसके अतिरिक्त आप किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगी जिससे आपको बाद में पश्चाताप करना पड़ेगा। मित्र एवं बन्धुवर्ग से भी आपके अच्छे संबध नहीं रहेंगे तथा उनसे विशेष सहयोग प्राप्त करने में असफल रहेंगी तथा आपकी आशाएं भी कम ही पूर्ण होगी। अतः धैर्यपूर्वक समय को व्यतीत करें।

साथ ही इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी होंगे। अतः आप पति से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगी तथा अपनी बुद्धि के कौशल से प्रचुर मात्रा में धन तथा सुखार्जन करने में सफल रहेंगी। साथ ही समाज में आप यश प्राप्त करने में भी समर्थ हो सकेंगी।

दशम् मास
19/07/2027 00:40:39 से 18/08/2027 11:11:42 तक

इस मास में आप शुभ फल अधिक मात्रा में अर्जित करेंगी परन्तु अशुभ फल भी घटित होते रहेंगे। इस समय पति तथा पुरूष वर्ग से आप पूर्ण सहयोग एवं लाभार्जित करने में सफल रहेंगी। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप मनोवांछित लाभ एवं सम्मान प्राप्त करेंगी। आपके अधिकांश शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इसी मास में सम्पन्न होंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा मन भी प्रसन्न एवं शान्त रहेगा। अध्ययन या ज्ञानार्जन के प्रति भी आपके मन में इच्छा उत्पन्न होगी एवं इसमें आप सफलता प्राप्त कर सकती है। बन्धुजनों एवं मित्रों से आपके घनिष्ठ संबध रहेंगे तथा उनसे इचिछत लाभ एवं सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगी। इस मास में आप वांछित द्रव्य पदार्थ भी प्राप्त करेंगी एवं उनके उपभोग से प्रसन्न रहेंगी ।संतति पक्ष से भी आप निश्चिन्त रहेंगी तथा आपकी मनोकामनाएं भी इस समय पूर्ण होंगे।

साथ ही इस मास में शुभ फलों के साथ साथ अशुभ फल भी घटित होंगे।अतः आप गर्मी तथा पित द्वारा उत्पन्न दोषों से शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगी तथा रूधिर विकार से भी पीड़ित हो सकती है। अतः इस मास में शारीरिक सुरक्षा के प्रति पूर्ण सतर्क रहें तथा बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्यकलापों को सम्पन्न करें।

एकादश मास
18/08/2027 11:11:42 से 17/09/2027 21:42:45 तक

इस महीने में आप शुभ फलों को प्राप्त करने में सफल रहेंगी। इस समय आपकी बुद्धि निर्मल रहेगी तथा आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिमता से सम्पन्न होंगे। इस मास में संतति पक्ष से आप सुखी रहेंगी तथा उनसे पूर्ण सहयोग भी प्राप्त करेंगी। साथ ही द्रव्य पदार्थो को अर्जित करने में भी आपको सफलता प्राप्त होगी। इस समय समाज के सभी वर्गो में आपका प्रभुत्व बढेगा एवं लोग आपकी श्रेष्ठता को स्वीकार करेंगे तथा आपका हार्दिक सम्मान भी करेंगे। साथ ही आपके शुभ कार्य भी इस मास में पूर्ण होंगे तथा कहीं से आपको शुभ समाचार भी प्राप्त होगा। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आप श्रद्धालु रहेंगी एवं निष्ठा पूर्वक उनकी पूजा तथा सेवा करेंगी। इसके अतिरिक्त उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप वांछित लाभ तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगी तथा समाज में आपकी पूर्ण प्रतिष्ठा रहेगी एवं आपकी मनोकामनाएं भी पूर्ण होगी जिससे आप मानसिक रूप से प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

साथ ही इस मास में आप पति से भी पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करेंगी एवं अपनी तीव्र बुद्धि से प्रचुर मात्रा में धन तथा सुखों को प्राप्त करेंगी। इसके अतिरिक्त धार्मिक कार्यो में भी आप रूचि शील रहेंगी तथा अपने सत्कार्यो से समाज में सर्वत्र प्रतिष्ठा एवं सम्मान अर्जित करने में सफल रहेंगी।

द्वादश मास
17/09/2027 21:42:45 से 18/10/2027 08:13:48 तक

इस महीने में आप अपने कार्य क्षेत्र में आशातीत सफलता अर्जित करने में सफलता प्राप्त करेंगी। साथ ही आपके उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे पूर्ण प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आपको यथोचित सहयोग तथा सम्मान भी प्राप्त होगा। फलतः आप उन्नति की ओर अग्रसर होंगी। अपने बन्धुओं तथा मित्रों से आपके मधुर संबध रहेंगे एवं उनसे आपको सहयोग प्राप्त होता रहेगा। साथ ही समाज में अन्य लोगों के परोपकार संबधी कार्यो को सम्पन्न करने में भी आप तत्पर रहेंगी।आपके अधिकांश शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इसी मास में सम्पन्न होंगे अतः मानसिक रूप से भी आप प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा विधिपूर्वक आप उनकी सेवा करेंगी। इस समय समाज में सर्वत्र आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपका आदर करेंगे। आपकी कीर्ति भी दूर दूर तक व्याप्त रहेगी तथा अन्य स्त्रोतों से भी आप लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगी। इसके अतिरिक्त इस मास में आपको नवीन गृह की प्राप्ति या कोई स्थान परिवर्तन हो सकता है।

साथ ही इस मास में आप पति तथा पुत्र से पूर्ण सहयोग प्राप्त करेंगी तथा आप नवीन वस्त्र या स्वर्णादि के आभूषण भी प्राप्त करेंगी। अतः प्रसन्नता पूर्वक आपका यह समय व्यतीत होगा।